अग्रवाल महाविद्यालय बल्लबगढ़

दीक्षांत समारोह/वार्षिक पारितोषिक–वितरण समारोह – 13 अप्रैल, 2019

वार्षिक विवरण (सत्र 2018–19)

डॉ. कृष्णकान्त गुप्ता
प्राचार्य

महाविद्यालय के दीक्षांत समारोह और वार्षिक पुरस्कार–वितरण समारोह के अवसर पर उपस्थित आज के मुख्य–अतिथि सम्माननीय श्री रामेन्द्र जैन (न्यायधीश, उच्च न्यायालय पंजाब और हरियाणा, चण्डीगढ़), अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ की सलाहकार समिति के अध्यक्ष श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी, कॉलेज प्रबन्ध समिति के प्रधान आदरणीय श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, अग्रवाल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अन्य माननीय पदाधिकारी, विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के आदरणीय सदस्य, महाविद्यालय में कार्यरत प्राध्यापक व गैर शिक्षक समुदाय, कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बन्धु तथा पुरस्कार प्राप्त करने आए विद्यार्थियो ! आप सभी का हार्दिक स्वागत –

आज के समारोह के मुख्य अतिथि सम्माननीय श्री रामेन्द्र जैन (न्यायधीश, उच्च न्यायालय पंजाब और हरियाणा, चण्डीगढ़) अत्यन्त प्रतिष्ठित एवं गरीमामयी व्यक्तित्व के स्वामी हैं। आपने 1984 में जिला न्यायालय, हिसार से अधिवक्ता के रूप में अपने करियर की शुरूआत की। आप नागरिक, आपराधिक और सेवा मामलों के विशेषज्ञ हैं। 1993 में आप बार एसोसिएशन हिसार के सचिव चयनित हुए। आप 1995 से हरियाणा वरिष्ठ न्यायपालिका सेवाओं में कार्यरत हैं। 2005 में ज़िला और सत्र न्यायाधीश के रूप में आपकी पदोन्नति हुई। आपने भारत में पहली बार Narcotic Drugs & Cycotropic Substances Act के अंतर्गत आरोपियों को मृत्यु दण्ड देने का साहस किया। इससे पहले लोग इस विषय में जागरूक नहीं थे। 2015 से आप पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चण्डीगढ़ में न्यायाधीश के पद पर प्रतिष्ठित रह कर ईमानदारी, कर्मठता, निष्ठा और लग्न से अपना दायित्व निभा रहे हैं। इस अवसर पर आप जैसे व्यक्तित्व को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पाकर हम गौरवान्वित अनुभव कर रहे हैं। आपके प्रभावशाली उद्गारों से निश्चित ही हमारे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

मान्यवर ! अब मैं आपके समक्ष इस महाविद्यालय का संक्षिप्त–परिचय प्रस्तुत करता हूँ। सन् 1971 में बल्लबगढ़ व आस–पड़ोस के युवक युवतियों की उच्च शिक्षा की ज़रुरत को पूरा करने के लिए कुछ प्रबुद्ध–समाजसेवियों ने अग्रवाल महाविद्यालय की नींव रखी। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा (रजि.), बल्लबगढ़ की स्थापना सन् 1945 में हुई। वस्तुतः सन् 1919 में अनौपचारिक रुप से इसकी नींव रखी गई थी। जहाँ एक वृक्ष के नीचे मुंडी भाषा सिखलाई जाती थी। सन् 1919 से 1945 तक आते आते इस सभा ने एक विशाल वट वृक्ष का रुप धारण कर लिया। अग्रवाल सभा ने इसी वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर इस क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित किया है। इस सभा द्वारा संचालित इस महाविद्यालय के अतिरिक्त एक अग्रवाल शिक्षण महाविद्यालय तथा चार अन्य स्कूल भी हैं जिनमें 12993 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा के उदारमना सदस्यों ने गरीब विद्यार्थियों, जोकि फीस देने में असमर्थ हैं, की सहायतार्थ सत्र **2015–16** में 74 लाख 73 हज़ार 6 सौ 51 रूपये (Rs. 74,73,651/-), सत्र **2016–17** में 1 करोड़ 28 लाख 50 हज़ार 44 रुपये (Rs. 1,28,50,044/-), सत्र **2017–18** में 1 करोड 49 लाख 77 हज़ार 2 सौ 48 रूपय (Rs. 1,49,77,248/-) एवं सत्र में **2018–19** 1 करोड़ 50 लाख 4 हजार 4 सौ 30 रूपये (Rs. 1,50,04,430/-) की धनराशि का योगदान किया है जो कि अपने आप में एक श्रेष्ठ मिसाल है। विगत दो वर्ष से प्रबन्ध समिति ने दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए "समर्थ योजना" की शुरुआत की है, जिसमें उनके लिए फीस माफी, छात्रवृति एवं पुस्तकों की व्यवस्था की जाती है।

हमारे महाविद्यालय में 4768 विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं जिनमें से 2181 छात्र और 2587 छात्राएँ हैं। इनके सर्वांगीण विकास के लिए कुल 28 कोर्स चलाए जा रहे हैं जिनमें 08 स्नातकोत्तर, 07 स्नातक स्तर के, 5 ऑनर्स, 06 Add-on Course व 02 बी.वॉक कोर्स हैं। इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों को अतिरिक्त ज्ञान देने के लिए 38 सर्टिफिकेट कोर्स भी चलाए जा रहे हैं। महाविद्यालय के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त तीन पुस्तकालय हैं, जिनमें 113410 पुस्तकें, 105 जर्नल तथा 35 दैनिक समाचार पत्र उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय E-books of Pearson Publication, E-Journals तथा N-List (INFLIBNET) का भी सदस्य है। 698 कम्प्यूटरों से युक्त 12 कम्प्यूटर लैब, रिटेल लैब, लैंगवेज लैब, मीडिया सेन्टर, रसायन व भौतिक शास्त्र की प्रयोगशालाएँ तथा इसके

अतिरिक्त महाविद्यालय में Audio-Visual Rooms, अधुनिक उपकरणों से सुसज्जित दो सभागार भी उपलब्ध हैं। जिनके द्वारा विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम बनाया जाता है। महाविद्यालय के तीनों संभाग वाई–फाई तथा इन्टरनेट से युक्त हैं। कक्षाओं में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विद्यार्थियों को शिक्षित किया जाता है। हमारे लगभग सभी अध्यापक शिक्षण को प्रभावशाली बनाने के लिए ICT का प्रयोग करते हैं। इस सत्र से हमने Flipped कक्षाओं का भी शुभारम्भ किया है जिसमें प्राध्यापक अपने–अपने विषय पर 15–20 मिनट तक व्याख्यान रिकार्ड कर कॉलेज के Youtube Channel पर डालते हैं जिससे विद्यार्थी कक्षा में आने से पूर्व विषय की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं।

महाविद्यालय के परीक्षा परिणाम विश्वविद्यालय की तुलना में सदैव घनात्मक रहते हैं। वर्ष **2017–18** की वार्षिक परीक्षा में **229** विद्यार्थियों ने महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक की मैरिट लिस्ट में स्थान बनाया जिनमें से 17 विद्यार्थी प्रथम स्थान पर, 15 विद्यार्थी द्वितीय स्थान पर एवं 14 विद्यार्थी तृतीय स्थान पर रहे।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए अनेक फोरम, क्लब व विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। एन.सी.सी., एन.एस.एस., महिला प्रकोष्ठ, कानूनी साक्षरता प्रकोष्ठ, पर्यावरण व उर्जा संरक्षण क्लब, योग क्लब सामाजिक विज्ञान मंच, युवा रैड क्रॉस, इन्टैक क्लब, स्वच्छता सेनानी, रैड रिबन क्लब, हिन्दी साहित्य परिषद, अंग्रेजी, संगीत,विज्ञान, गणित, खेल, कम्प्यूटर, अर्थशास्त्र वाणिज्य व प्रबन्ध आदि विषयों से सम्बन्धित फोरम/क्लब विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समय–समय पर अपने–अपने क्षेत्र के विशिष्ट–विद्वानों की वार्ताएँ, प्रश्नोत्तरी, भाषण व ज्ञानोपयोगी कार्यक्रम करवाते रहते हैं। इन से संबंधित विद्यार्थी अन्य महाविद्यालयों में आयोजित प्रतियोगिताओं में भी भाग लेकर विशिष्ट स्थान प्राप्त करते हैं। महाविद्यालय में वन–महोत्सव, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्र दिवस, मातृभाषा दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, युवा दिवस, महिला दिवस, हिन्दी–दिवस, विज्ञान दिवस, संविधान दिवस, जल संरक्षण दिवस, पृथ्वी दिवस, महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरोजिनी नायडू, महर्षि दयानन्द, सुभाष चन्द्र बोस तथा स्वामी विवेकानन्द व महाराजा अग्रसेन आदि अनेक महापुरुषों की जयन्तियाँ मनाई जाती हैं ताकि विद्यार्थी अपनी श्रेष्ठ प्राचीन सभ्यता एवं संस्कृति तथा राष्ट्रीय–गौरव के महत्व को समझते हुए उस पर गौरवान्वित हो सकें और महान चरित्रों से सीख प्राप्त कर अपने जीवन को

संवार सके। हमारे महाविद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थी शहीद जयभगवान शर्मा की पुण्य स्मृति में महाविद्यालय प्रांगण में ही शहीद स्मारक बनाया गया है। दिनांक 02.12.1995 को उग्रवादियों द्वारा घात लगाकर किये गये हमले का मुकाबला करते हुए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया। उनके बलिदान दिवस को प्रतिवर्ष स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों द्वारा रैली आदि के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, नारी सशक्तिकरण, साक्षरता, जल–संरक्षण, नशा–मुक्ति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, दहेज प्रथा आदि ज्वलन्त सामाजिक विषयों पर सकारात्मक कार्य किया जा रहा है ताकि समाज को कुरीति मुक्त तथा समरसता युक्त बनाया जा सके। यूनिवर्सिटी आऊट रीच कार्यक्रम के अंतर्गत महाविद्यालय ने चंदावली गाँव को गोद लेकर उसमें स्वच्छता, साक्षरता, चिकित्सा, पर्यावरण, ऊर्जा व जल – संरक्षण के प्रति जागरूकता के साथ–साथ रक्त दान शिविर और स्वास्थ्य जाँच शिविर भी आयोजित किए हैं। ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए सिलाई मशीन और कम्प्यूटर भी प्रदान किए गए हैं।

महाविद्यालय पर्यावरण के प्रति विशेष संवेदनशील है, इसलिए प्रत्येक महीने के पहले सोमवार को "हरित दिवस" के रूप में मनाया जाता है और उस दिन महाविद्यालय प्रांगण वाहन मुक्त रहता है। विद्यार्थियों से लेकर प्राध्यापकों, प्राचार्य और प्रबन्ध समिति तक के सदस्य भी महाविद्यालय प्रांगण में अपना वाहन नहीं लाते। इसके अतिरिक्त इस "पहल" को आगे बढ़ाने के लिए "पर्यावरण मैत्री पुरस्कार" भी घोषित किया गया है कि जो सबसे अधिक दिन साइकिल पर आएगा उसे 2100 रू नकद राशि इनाम के रूप में दी जाएगी। इसके अतिरिक्त पर्यावरण के प्रति प्रेम जागृत करने के लिए विद्यार्थियों के लिए **"पेड़ अपनाओ**" Owning A Tree अभियान आरम्भ किया गया है, जिसके अंतर्गत यह तय किया गया कि जो विद्यार्थी अपना पेड़ महाविद्यालय प्रांगण में लगाएगा, उसका नाम पेड़ के साथ लिखा जाएगा और महाविद्यालय छोड़ने के बाद भी उसका नाम महाविद्यालय प्रांगण में पेड़ के साथ लगा रहेगा। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में रसायन शास्त्र विभाग द्वारा Waste Water Treatment Plant लगाया गया है और उपचारित जल हरबल गार्डन सिंचाई के काम आता है। महाविद्यालय में दो Vermi Compost Unit हैं जिनके द्वारा पत्तों और गीले कचरे से खाद बनती है जो पेड़ पौधों में डाली जाती है।

प्रत्येक वर्ष महाविद्यालय में दो दिवसीय एथलेटिक मीट का आयोजन किया जाता है। जिसमें विभिन्न दौड़, लम्बी व ऊँची कूद तथा थ्रो की अनेक प्रतियोगिताएं रखी जाती हैं। इस सत्र में 28 फरवरी–1 मार्च, 2019 को आयोजित एथलेटिक मीट में रश्मि और महेन्द्र सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किए गए। हमारे महाविद्यालय का छात्र अनमोल जैन राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिताओं में अनेक स्वर्ण पदक जीत कर अंतर्राष्ट्रीय स्तर का खिलाड़ी बन चुका है। जापान और जर्मनी में आयोजित प्रतियोगिताओं में अनमोल ने व्यक्तिगत स्तर पर रजत और स्वर्ण पदक प्राप्त कर बल्लबगढ़ का ही नहीं देश का भी नाम रोशन किया है। शूटिंग के अतिरिक्त भारोत्तोलन, बेस बॉल, सॉफ्ट बॉल, ताय–क्वान्डो, बॉक्सिंग, जूडो और तीरंदाजी में भी हमारे महाविद्यालय के खिलाड़ियों ने अन्तर विश्वविद्यालय, राज्य, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विशेष स्थान प्राप्त किए हैं।

मान्यवर, महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की तीन इकाइयाँ हैं जिनमें 300 स्वयंसेवक पंजीकृत हैं। ये सभी विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर विशेष योगदान देते हैं और विशिष्ट शिविरों में भाग लेते हैं। हमारे महाविद्यालय की स्वयंसेविका आयुषी और रमा महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक में विश्वविद्यालय स्तर पर क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर स्वयंसेविका चुनी गयीं। इकाई तीन की 'बाती' टीम ने अन्तर्राष्ट्रीय सूरजकुण्ड हस्त शिल्प मेले में अपने नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति से प्रशंसकों का मन मोह लिया और यह टीम अनेक सामाजिक मुद्दों को आधार बनाकर अपनी अभिव्यक्ति द्वारा सामाजिक जागरूकता का कार्य कर रही है।

महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो इकाइयाँ हैं जिनमें 50 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। इस सत्र में 7 कैडेट ने CEE परीक्षा और 19 कैडेट ने BEE परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा कैडेट टेक चन्द सुरक्षा सेवा में चयनित हुआ और 2 कैडेट पर्वतारोहण शिविर के लिए चुने गए। 20 कैडेट "स्वस्थ भारत यात्रा" का भी हिस्सा बने।

महाविद्यालय में युवा रैड क्रॉस के अंतर्गत इस सत्र में चार प्रशिक्षण शिविर (पाँच दिवसीय एवं सात दिवसीय) ज़िला रैड क्रॉस फ़रीदाबाद और सेंट जॉन एम्बूलेंस फरीदाबाद के सहयोग से लगाए गए जिनमें अन्य महाविद्यालयों से भी विद्यार्थी प्रतिभागिता करते हैं। युवा रैड क्रॉस और रैड रिबन क्लब द्वारा समय–समय पर विद्यार्थियों और स्टॉफ के लिए स्वास्थ्य जाँच संबंधी शिविर आयोजित किए जाते

हैं । इस वर्ष स्वास्थ्य जाँच संबंधी 6 शिविर रोटरी क्लब फरीदाबाद ग्रेस, क्यू.आर.जी. हेल्थ सिटी फरीदाबाद, फाउंडेशन एगेन्सट थैलेसीमिया और दृष्टि आई सेन्टर के सहयोग से लगाए गए । इसके अंतर्गत किए जाने वाले श्रेष्ठ सराहनीय कार्यों केलिए महाविद्यालय के यूथ रैड़ क्रॉस संयोजक डॉ. जयपाल सिंह को माननीय राज्यपाल की ओर से सम्मानित किया गया और उन्हें जिला स्तर पर भी सर्वश्रेष्ठ यूथ रैड़ क्रॉस संयोजक घोषित किया गया। महाविद्यालय में युवा रैड़ क्रॉस, एन.एस.एस. और रैड़ रिबन क्लब के सहयोग से पाँच रक्त दान शिविर इस सत्र में लगाए गए जिसमें छात्र–छात्राओं ने उत्साह पूर्वक रक्त दान किया। इन सभी शिविरों में कुल मिलाकर 774 इकाई रक्त एकत्र हुआ। ये शिविर महाविद्यालय में रोटरी क्लब ग्रेस, तेरापंथ युवक परिषद्, लॉयन्स क्लब फ़रीदाबाद ग्रेटर एवं इंडियन रैड क्रॉस सोसायटी नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किए गए। महाविद्यालय में यूथ रैड. क्रॉस के अंतर्गत ही छात्राओं के लिए 'एनामिया भगाओ' अभियान चलाया गया जिसमें छात्राओं के रक्त की जाँच कर एनिमिक लड़कियों को Iron Supplements दिए गए ।

महिला प्रकोष्ठ के अंतर्गत छात्राओं के सशक्तिकरण के लिए आत्मरक्षा (Self Defence) Kick Boxing की नियमित कक्षाएं व अभ्यास भी इस सत्र से निरंतर चल रही हैं और साथ ही बदलते समय के अनुरूप विद्यार्थियों को तैयार करने के लिए फ्रेंच भाषा की कक्षाएं भी महाविद्यालय में आरंभ हो चुकी हैं। 17 छात्राओं ने महर्षि दयानन्द विश्व विद्यालय रोहतक में आयोजित अन्तर्महाविद्यालय किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में प्रतिभागिता की और उनमें से दो को स्वर्ण पदक, दो को रजत पदक तथा दस को कांस्य पदक मिला। इस प्रकार 17 में से 14 छात्राओं ने विजय हासिल कर आंध्र प्रदेश में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया ।

महाविद्यालय के 60 स्वच्छता सेनानियों ने भारत सरकार द्वारा चलाए "स्वछ भारत ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम" में भाग लिया और चंदावली, मलेरना और सुनपेड़ गाँवों में जाकर रैली, नुक्कड़ नाटक, स्लोगन लेखन, वॉल पेंटिंग और स्वच्छता संबंधी वीडियो व फिल्में दिखाकर जागरुक किया । महाविद्यालय में ज़िला स्तरीय युवा संसद का भी आयोजन किया गया तथा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत मत–पत्र बनवाने के लिए शिविर आयोजित किए गए ।

विगत दो वर्षों से महाविद्यालय में महाराजा अग्रसेन जयन्ती को 'नवरंग' सांस्कृतिक उत्सव के रूप मनाया जाना आरंभ किया गया है। 8–9 अक्तूबर, 2018 को यह अन्तर विश्व विद्यालय स्तर का उत्सव मनाया गया जिसमें इस

वर्ष 5 विश्व विद्यालयों, 21 महाविद्यालयों के 120 प्रतिभागियों ने संभाषण, काव्य–पाठ, तबला–वादन, भजन/गीत गायन, एकल व समूह नृत्य के साथ–साथ रंगोली, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन, प्रश्नोत्तरी की प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, स्नातक स्तर के तृतीय वर्ष व परास्नातक स्तर के विद्यार्थियों के भविष्य एवं रोजगार को लेकर महाविद्यालय काफी सचेत रहता है। इसलिए महाविद्यालय में समय–समय पर Placement Drive और Job Fair का आयोजन किया जाता है। हमारे महाविद्यालय में सभी विद्यार्थियों का 2–2 लाख का सामूहिक बीमा (Group Insurance) भी किया जाता है, जिसके Premium का भुगतान महाविद्यालय प्रशासन की ओर से दिया जाता है। इस सत्र में Placement Cell द्वारा 08 Campus Placement Drive आयोजित किए गए। जिनमें 19 विद्यार्थियों का चयन हुआ और 42 छात्रों का नाम Shortlist हुआ।

युवा विद्यार्थियों की भावनाओं और विचारों को अभिव्यक्ति प्रदान करने के लिए वार्षिक–पत्रिका "स्रोत" का प्रकाशन किया जाता है तथा महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियों को प्रदर्शित करने के लिए "त्रैमासिक समाचार पत्रिका"–(News Letter) भी प्रकाशित की जाती है। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय से दो Journals भी प्रकाशित होते हैं।

प्रत्येक सत्र में महाविद्यालय में विद्यार्थियों और प्राध्यापकों के ज्ञान को गति देने के लिए संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और अतिथि व्याख्यानों का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में 21 अगस्त से 25 अगस्त 2018 तक अर्थशास्त्र विभाग द्वारा वैश्विक अर्थशास्त्र जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें अमरीका के 11 सदस्यीय मंडल ने भाग लिया और इसमें 150 विद्यार्थियों ने भागीदारी की। 9–10 मई, 2018 और 15–16 दिसम्बर, 2018 को शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास तथा उच्चतर शिक्षा निदेशालय के सहयोग से हिन्दी विभाग और कला संकाय द्वारा "व्यक्तित्व विकास और चरित्र निर्माण" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

दिनांक 31 अगस्त से 3 सितंबर 2018 तक छात्राओं के लिए रोज़गार संबंधित प्रशिक्षण विषय पर 4 दिवसीय कार्यशाला संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा के सहयोग से दिशा कार्यक्रम के सौजन्य से आयोजित की गई।

उद्यमिता क्लब द्वारा 4 सितंबर 2018 को महिलाओं के मुद्दे और चुनौतियाँ विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई ।

21–22 दिसंबर 2018 को **"नैनो संरचित पदार्थ एवं उपकरण प्रौद्योगिकी"** विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन विज्ञान संकाय द्वारा आयोजित किया गया ।

10 से 12 अप्रैल 2019 तक वाणिज्य विभाग द्वारा तीन दिवसीय FDP आयोजित की गई जिसका विषय था Business and Research Softwares

11 अप्रैल को Training the Trainers Programme with Wordsworth English Language Lab में आयोजित किया गया ।

महोदय! हमारे महाविद्यालय की इन सभी उपलब्धियों का श्रेय विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कर्मचारी वर्ग और कॉलेज प्रबन्ध समिति के सामूहिक प्रयास को जाता है । इन श्रेष्ठ प्रयासों का अच्छा परिणाम यह हुआ कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली की स्वायत्त संस्था राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) ने महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त श्रेष्ठ उपलब्धियों को देखते हुऐ 3.40 CGPA प्रदान करते हुए 'A' ग्रेड प्रदान किया । इसके अतिरिक्त विगत वर्षों में महाविद्यालय की विभिन्न क्षेत्रों में प्राप्त विशिष्ट उपलब्धियों को देखते हुए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली ने "कॉलेज विद पोटेंशियल फॉर एक्सिलेंस (सी.पी.ई.)" का दर्ज़ा प्रदान किया । महाविद्यालय में हिन्दी, अंग्रेज़ी, राजनीति शास्त्र और इतिहास विषयों में 4 Minor Research Project तथा भौतिक और रसायन शास्त्र विषयों में 2 Major Research Project चल रहे हैं ।

कॉलेज के इस विकास एवं प्रगति में अग्रवाल विद्या प्रचारिणी सभा कॉलेज प्रबन्ध समिति तथा इसके पदाधिकारियों विशेषतः पूर्व प्रधान लाला रतन सिंह गुप्ता जी, वर्तमान प्रधान श्री देवेन्द्र गुप्ता जी, उपप्रधान श्री वासुदेव गुप्ता जी, महासचिव श्री अमित जी व कोषाध्यक्ष श्री मेहर चन्द मित्तल जी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । परम श्रद्धेय लाला रतन सिंह गुप्ता जी ने लगातार 36 वर्ष तक विद्या प्रचारिणी सभा, बल्लबगढ़ के अध्यक्ष पद को सुशोभित करते हुए शिक्षा–क्षेत्र में समाज–सेवा का जो अनुपम सराहनीय कार्य किया है उसके लिए बल्लबगढ़ समाज हमेशा उनका ऋणी रहेगा । मैं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली तथा महानिदेशक, उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा सरकार का आर्थिक सहयोग

प्रदान करने के लिए विशेष रूप से आभार व्यक्त करता हूँ। इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

अन्त में मैं सभी माननीय अतिथियों विशेषतः मुख्य अतिथि सम्माननीय श्री रामेन्द्र जैन के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार कर महाविद्यालय के इस समारोह की शोभा बढ़ाई। विद्यार्थियों को सफलता की यह सीख देते हुए मैं अपने वक्तव्य को विराम देता हूँ

बिना लक्ष्य के जीने वाले इंसानों की।
ज़िन्दगी कहाँ अमीर होती है ?
जब मिल जाती है सफलता तो।
नाम ही सबसे बड़ी जागीर होती है॥

धन्यवाद